दिनांक

★ वाक्य–विचार ★

अनुशासन का वास्तविक अर्थ है नियम और व्यवस्था का पालन करना।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

विद्यालय में शांत वातावरण बनाए रखना, शिक्षकों की बात मानना और नियमों का पालन करना भी अनुशासन है।

दिनांक

विद्यार्थी की अनुशासनप्रियता को देखकर दूसरे लोग उसके प्रति उत्तम भाव तथा सकारात्मक सोच रखते हैं।

सूक्तियाँ

दिनांक

मनुष्य अपने सकंल्प पर अटल रहकर ही विजय प्राप्त करता है।

ईश्वर उन्हीं की सहायता करता है जो स्वयं अपनी सहायता करते हैं।

दिनांक

पुस्तकें मनुष्य, समाज तथा राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं।

श्रेष्ठ पुस्तकें ही मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र है।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

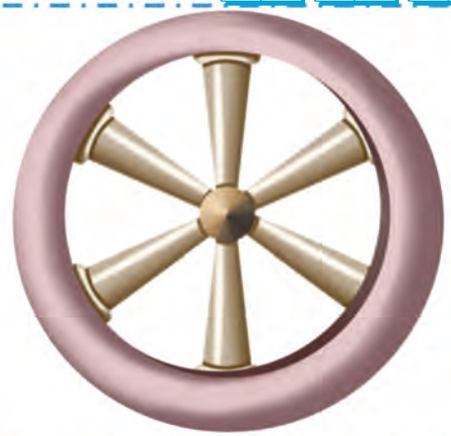

परहित से बढ़कर न कोई पुण्य है न कोई धर्म।

संसार में सुख और दुःख चक्र के समान घूमते रहते हैं।

दिनांक

मुहावरे

भागते घोड़े पर सवार होना।

चोर की दाढ़ी में तिनका।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

अंधे की लाठी होना।

अपनी खिचड़ी अलग पकाना।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

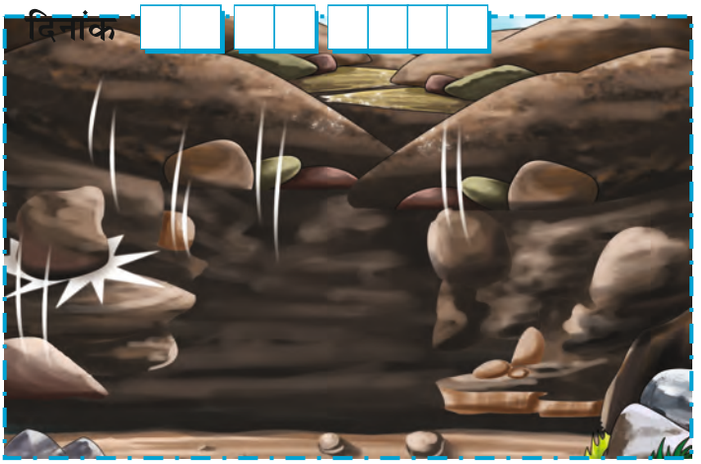

अचानक पहाड़ टूट पड़ना।

घी के दीये जलाना।

दिनांक

लोकोक्तियाँ

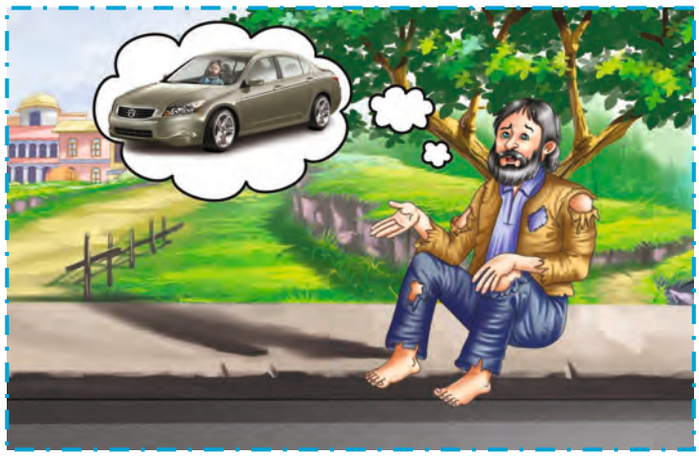

एक और एक ग्यारह होते हैं।

तकदीर बदलते देर नहीं लगती।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

चूहे का बच्चा बिल ही खोदता है।

ठंडा लोहा गर्म लोहे को काट देता है।

दिनांक

दोस्ती में लेन-देन बैर का मूल।

फूल टहनी में ही अच्छा लगता है।

दिनांक

अपना सिक्का खोटा तो दूसरों का क्या दोष।

काठ की हांडी आँच पर बारंबार नहीं चढ़ती।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

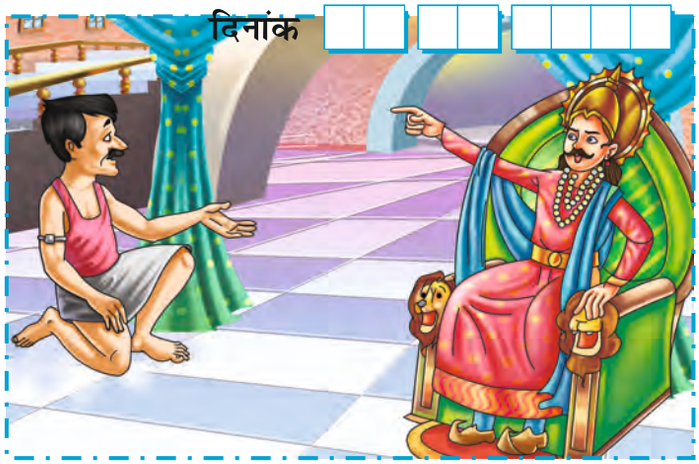

बड़ी मछली छोटी मछली को खा जाती है।

कहाँ राजा भोज कहाँ गँगू तेली।

दिनांक

ककड़ी के चोर को फाँसी नहीं दी जाती।

कुम्हार अपना ही घड़ा सराहता है।

दिनांक

ईश्वर गंजे को नाखून नहीं देता।

धूल डालने से सूरज नहीं छिपता।

दिनांक

गया वक्त फिर वापिस नहीं आता।

चिकने घड़े पर पानी नहीं ठहरता।

दिनांक

दोहे

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै, मोती मानुष चून॥

मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं।
मुकताफल मुक्ता चुगैं, अब उड़ि अनत न जाहिं॥

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

परवापरवी के कारने सब जग रहा भुलान।
निरपख होइ के हरि भजै, सोई संत सुजान॥

ऊँचे कुल की जनमिया, करनी ऊँच न होइ।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदा सोइ॥

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

नाद रीझि तन देत मृग, नर धन हेत समेत।
ते रहीम पशु ते अधिक, रीझेहु कछू न देत॥

रहिमन निज संपत्ति बिना, कोउ न बिपति सहाय।
बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सके बचाय॥

दिनांक

धनि रहीम जल पंक को लघु जिय पिअत अघाय।
उदधि बड़ाई कौन है, जगत पिआसो जाय।।

चित्रकूट में रमि रहे, रहिमन अवध- नरेस।
जा पर बिपदा पड़त है, सो आवत यह देस।।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

पत्थर पूजै हरि मिले तो मैं पूजूँ पहार।

या तै वह चाकी भली पीस खाए संसार।।

काबा फिरि कासी भया, रामहिं भया रहीम।

मोट चून मैदा भया, बैठि कबीरा जीम।।

दिनांक

शब्दकोश

पर्वत पर्वतीय पर्वताश्रय पर्वतारोहण

फलित फलितव्य फलीभूत फलोत्पादी

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

मुद्रिका मुद्रित मुद्रांकित मुद्रणालय

अवधारणा अवधारणीय अवधारणा अवधार्य

दिनांक

निर्जल निर्णय निर्जीव निर्दोष

अरुण अरुणिमा अरुणोदय अरुणोपल

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

संस्कार संस्कर्ता संस्करण संस्क्रिया

उद्योग उद्योजक उद्योगीकरण उद्योगपति

दिनांक

स्वप्रेरण

मनुष्य को स्वार्थ-पूर्ति की अपेक्षा परिहित एवं सेवा को सर्वोच्च स्थान देना चाहिए।

मन की दृढ़ता और धीरता ऐसे गुण हैं जो व्यक्ति को विजय की ओर अग्रसर करते हैं।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

मनुष्य को निरंतर कर्म करते रहना चाहिए,
फल की इच्छा नहीं करना चाहिए।

सद्वृत्तियों एवं सद्गुणों को धारण करने वाले
मनुष्य के जीवन में सफलता निश्चित है।

दिनांक

आत्मनिर्भरता मनुष्य का श्रेष्ठ गुण है एवं मानव जीवन में उन्नति का साधन है।

आत्मनिर्भरता से ही मनुष्य का जीवन उद्देश्यपूर्ण बनता है।

दिनांक

★ मिट्टी का जीवन ★

निर्मम कुम्हार की थापी से, कितने रूपों में कुटी-पीटी,
हर बार बिखेरी गई किंतु मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम

दिनांक

फसलें उगतीं फसलें कटतीं लेकिन धरती चिर उर्वर है,

सौ बार बने सौ बार मिटे लेकिन मिट्टी अविनश्वर है।

उत्तम अति उत्तम सर्वोत्तम